वार्षिक रिपोर्ट २०१४-१५

Annual Report 2014-15

ओरियन्टल बैंक ऑफ़ कॉमर्स
(भारत सरकार का उपक्रम)

जहां प्रत्येक कर्मचारी प्रतिबद्ध है

ओ.बी.सी.

Oriental Bank of Commerce
(A Government of India Undertaking)

Where every individual is committed

विषय सूची / Contents

प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी का संदेश MD & CEO's Message	1–5
निदेशक मंडल Board of Directors	7
शीर्ष प्रबंधन वर्ग Top Management Team	8
सूचना Notice	9–20
निदेशकों की रिपोर्ट Directors' Report	21–28
प्रबंधन चर्चा एवं विश्लेषण Management Discussion and Analysis	29–56
बासेल III के अंतर्गत पिलर–III का प्रकटन–मार्च 2015 Pillar-III Disclosures under Basel III-Year Ended March 2015	57–103
कंपनी अभिशासन Corporate Governance	104–153
तुलन–पत्र और लाभ–हानि लेखा Balance Sheet and Profit & Loss Account	154–155
अनुसूचियां 1-18 Schedules 1-18	156–206
लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट Auditors' Report	207–209
नकदी प्रवाह विवरणी Cash Flow Statement	210–211
लेखा परीक्षकों का प्रमाण पत्र Auditors' Certificate	212
फॉर्म Forms	213–218

प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी का संदेश
Managing Director & CEO's Message

प्रिय शेयरधारकों,

आपके बैंक की इक्कीसवीं वार्षिक आम बैठक में मैं आप सभी का हार्दिक स्वागत करता हूं और 31 मार्च, 2015 को समाप्त अवधि के लिए आपके बैंक की वार्षिक रिपोर्ट सहर्ष प्रस्तुत करता हूं।

आर्थिक पृष्ठभूमि

विश्व अर्थव्यवस्था में विकास की धीमी गति जारी है। नवीनतम आंकडे विकसित अर्थव्यवस्थाओं की विकास दर में तेजी और उभरते बाजारों तथा विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में मंदी को दर्शातें हैं। घरेलू स्तर पर, पहले नौ माह के दौरान भारत की जीडीपी वृद्धि दर 7.5% रही। राजकोषीय घाटा और चालू खाता घाटा सामान्य तौर पर नियंत्रित रहे तथा देश की मुद्रास्फीति दर में भी प्रत्याशा के अनुरूप कमी के संकेत दिखाई दिए। तथापि,वित्तीय वर्ष 2014–15 के दौरान बैंकिंग क्षेत्र की वृद्धि दर दबाबग्रस्त रही। आर्थिक मंदी, विभिन्न बुनियादी संरचनागत बाधाओं और ऋण मांग की कमी के कारण जमाराशि और ऋण दोनों की वृद्धि सर्वाधिक कम दर से हुई।

जिस चुनौतीपूर्ण परिदृश्य में भारत की बैंकिंग व्यवस्था कार्य कर रही है उसके कारण अधिकतर बैंकों की आस्ति गुणवत्ता, पूंजी पर्याप्तता और लाभप्रदता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। इस परिदृश्य में, आपके बैंक ने सुदृढ़ीकरण और तुलन–पत्र को आधारभूत रूप से मजबूत बनाने की नीति अपनाई।

अब मैं आपके समक्ष वित्तीय वर्ष 2014–15 के लिए बैंक के कारोबार की मुख्य विशेषताएं प्रस्तुत करता हूं–

कार्यनिष्पादन की विशेषताएं

- वित्तीय वर्ष 2014–15 के दौरान आपके बैंक का कारोबार ₹3,50,000 करोड़ का आंकड़ा पार कर गया। कुल जमाराशियों और कुल अग्रिमों में क्रमशः 5.44% और 5.17% वृद्धि के साथ आपके बैंक के कुल कारोबार में 5.32% की वृद्धि हुई। कासा जमाराशियों में 4.94% और रिटेल मीयादी जमाराशियों (₹1.00 करोड़ से कम) में 14.61% की वृद्धि हुई। थोक जमाराशियों में 7.65% की कमी आई।
- आपके बैंक का अग्रिम संविभाग पर्याप्त व्यापक बना रहा और वित्त के महत्वपूर्ण क्षेत्र रिटेल अग्रिम, कृषि और एमएसएमई हैं जो कुल अग्रिम पोर्टफोलियो में 47.00% का योगदान करते हैं। शेष 53.00% कॉरपोरेट ऋण है, जो कि अर्थव्यवस्था के उत्पादक क्षेत्रों की ऋण आवश्यकताओं को पूरा करता है।
- रिटेल ऋण में 12.37% की वृद्धि हुई और इसने कुल अग्रिमों में 12.24% का योगदान किया। आपके बैंक के प्राथमिकता प्राप्त

Dear Shareholders,

I have great pleasure in welcoming you all to the 21st Annual General Meeting of your Bank and present the Annual Report for the year ended 31st March 2015.

ECONOMIC BACKGROUND

The world economy continues to grow at a moderate rate. Recent data reflects a pickup in growth in some advanced economies and a slowdown in emerging markets and developing economies. On the domestic front, India's GDP growth rate has been 7.5% for the first 9 months. Fiscal deficit and current account deficit were generally contained and the country's inflation rate has also shown signs of moderation on expected lines. However, the growth of Indian Banking Sector remained under pressure in FY14-15. Both deposits and credit grew at one of the slowest rates on account of economic slowdown, various infrastructure bottlenecks and subdued loan demand.

Due to this challenging backdrop in which the banking system in India has been operating, there has been adverse impact on the asset quality, capital adequacy and profitability of most of the banks. In such an environment, your Bank continued to adopt the strategy of consolidation and strengthening the Bank's balance sheet.

Now, I would like to present before you the business highlights of the Bank for the FY14-15:

PERFORMANCE HIGHLIGHTS

- During FY 14-15, your Bank crossed the milestone of business mix of ₹ 3,50,000 crore. The total Business Mix of the Bank grew by 5.32%, with total Deposits and Gross Advances registering a growth of 5.44% and 5.17%, respectively. CASA deposits have grown by 4.94% and Retail Term Deposits (below ₹1.00 crore) have grown by 14.61%. Bulk Deposits have been reduced by 7.65%.
- The Advances portfolio of the Bank remains well diversified and the thrust areas for finance have been Retail Advances, Agriculture and MSME which together constitute 47% of the total advances portfolio. The balance 53% is Corporate Credit which is fulfilling the credit needs of the productive sectors of the economy.
- Retail Credit grew by 12.37% and constituted 12.24% of the total Advances. The Priority Sector (PS) Advances

क्षेत्र के अग्रिम, समायोजित निवल बैंक ऋण (एएनबीसी) का 39.42% रहे।

- सामान्य आर्थिक मंदी के कारण सभी बैंकों की आस्ति गुणवत्ता दबाबग्रस्त रही। आपका बैंक भी इस चुनौतीपूर्ण वातावरण से अछूता नहीं रहा। तथापि, बैंक ने इस अवधि के दौरान सख्त वसूली उपाय अपनाए जिसके परिणामस्वरूप वित्तीय वर्ष 2014–15 की चौथी तिमाही के दौरान एनपीए के स्तर में क्रमिक कमी आई। चौथी तिमाही के दौरान नए स्लिपेज में ₹762.18 करोड़ की गिरावट आई, जो कि तीसरी तिमाही की तुलना में कम है। राशि की दृष्टि से, मार्च, 2015 में सकल एनपीए लगभग दिसम्बर, 2014 के स्तर पर ही रहा और सकल एनपीए अनुपात में क्रमिक गिरावट आई और यह 5.43% (तीसरी तिमाही) से कम होकर 5.18% (चौथी तिमाही) हो गया। इसी प्रकार, निवल एनपीए में क्रमिक गिरावट आई और यह 3.68%(तीसरी तिमाही) से कम होकरं 3.34% (चौथी तिमाही) रहा। इसके अतिरिक्त, प्रावधान कवरेज अनुपात में क्रमिक सुधार हुआ और यह 57.39%(तीसरी तिमाही) से4 बढ़कर 60.59%(चौथी तिमाही) हो गया।
- वित्तीय वर्ष 2014–15 के दौरान कुल आय में 5.34% की वृद्धि हुई और गैर ब्याज आय में 9.05% की वृद्धि हुई। चौथी तिमाही के दौरान परिचालन लाभ 19.79% की क्रमिक वृद्धि के साथ 1216 करोड़ रु. रहा और पूरे वर्ष के लिए यह ₹4227 करोड़ रहा। वित्तीय वर्ष 2014–15 का निवल लाभ ₹497.08 करोड़ रहा, जो कि वित्तीय वर्ष 13–14 के दौरान आस्ति बिक्री लाभ के प्रत्यावर्तन के प्रति ₹280.43 करोड़ रु अपवादस्वरूप नामे डालने और पिछली अवधि के ₹148.59 करोड़ के प्रावधान सहित चौथी तिमाही के दौरान ₹201. 74 करोड़ के वेतन संशोधन प्रावधान के कारण प्रभावित हुआ. 31 मार्च, 2015 को आपके बैंक का प्रतिशेयर बही मूल्य बढ़कर ₹438.80 करोड़ व प्रति कर्मचारी कारोबार बढ़कर ₹17.43 करोड़ हो गया।
- वित्तीय 2014–15 के दौरान आपके बैंक के कुल डिलीवरी चैनल 4254 से बढ़कर 4739 हो गए तथा 31 मार्च, 2015 को इसमें 2251 शाखाएं और 2488 एटीएम शामिल थे। वित्तीय वर्ष 2014–15 के दौरान 125 नई शाखाएं खोली गईं और 360 नए एटीएम लगाए गए। 125 नई शाखाओं में से 58 शाखाएं ग्रामीण केन्द्रों में (जिसमें से 35 बैंक रहित ग्रामीण केन्द्रों में) तथा 25 अर्द्धशहरी केन्द्रों में खोली गईं। आपके बैंक का दुबई स्थित प्रतिनिधि कार्यालय एनआरआई और पीआईओ को भारत में कारोबार के अवसरों की जानकारी देकर सहायता प्रदान कर रहा है और बैंक के उत्पादों एवं सेवाओं की मार्किटिंग कर रहा है।
- आपके बैंक ने 111 विशेषज्ञ अधिकारियों सहित 1417 कार्मिकों की भर्ती की और 31 मार्च, 2015 की स्थिति के अनुसार, बैंक के कुल कर्मचारियों की संख्या पिछले वर्ष के 19,550 से बढ़कर 20,200 हो गई। अगले कुछ वर्षों में बहुत बड़ी संख्या में होने वाली सेवानिवृत्तियों को ध्यान में रखते हुए बैंक ने एक प्रभावशाली उत्तराधिकार नीति बनाई है ताकि मध्य और वरिष्ठ प्रबंधन स्तरों पर दक्षता अंतराल न रहे. इन उद्देश्यों को पूरा करने के लिए मानव संसाधन, प्रशिक्षण, पदोन्नति, स्थानांतरण और नियुक्ति के संबंध में विभिन्न नवोन्मेष कार्य किए गए हैं। बैंक ने एक मुख्य शिक्षणाधिकारी (सीएलओ) बनाया है, जो बैंक के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए उत्तरदायी होगा।

of your Bank constituted 39.42% of Adjusted Net Bank Credit (ANBC).

- In view of the general economic slowdown, the asset quality of all banks was under stress. Your Bank has also not been immune to this challenging environment. However, the Bank continued to adopt strong recovery measures throughout this period resulting in sequential reduction in the level of NPAs in the fourth quarter of FY14-15. Fresh Slippages during Q4 were ₹762.18 crore which are much lower than that of the previous quarters. The gross NPA level of Mar'2015 remained approximately at the same level of Dec'2014 in terms of amount and the gross NPA ratio sequentially declined from 5.43% (Q3) to 5.18% (Q4). Similarly, the net NPA ratio sequentially declined from 3.68% (Q3) to 3.34% (Q4). Further, Provision Coverage Ratio has also sequentially improved from 57.39% (Q3) to 60.59% (Q4).
- During FY 14-15, total income increased by 5.34% and non-interest Income grew by 9.05%. The Operating Profits sequentially increased by 19.79% to ₹ 1216 crore in the fourth quarter and stood at ₹ 4227 crore for the full year. Net Profit for FY14-15 stood at ₹ 497.08 crore which was impacted by an exceptional debit of ₹ 280.43 crore being reversal of Asset sale profit during FY 13-14 and wage revision provision during Q4 which is ₹ 201.74 crore that includes ₹ 148.59 crore for the previous period. The Book Value Per Share of your Bank increased to ₹ 438.80 as on 31st March, 2015 and the Business per Employee increased to ₹ 17.43 crore.
- Your Bank's total delivery channels increased to 4,739 from 4,254 during FY14-15 and as on 31st March 2015, it comprises of 2,251 Branches and 2,488 ATMs. During FY14-15, 125 new Branches were opened and 360 new ATMs were installed. Out of 125 new branches, 58 branches were opened in rural centres (out of which, 35 in unbanked rural centres) and 25 in semi-urban centres. Your Bank's representative office at Dubai has been extending assistance to NRIs and PIOs about business opportunities in India and marketing the Bank's products and services.
- Your bank recruited 1,417 personnel including 111 Specialist Officers and as on 31st March 2015, the total number of employees increased to 20,200 from 19,550 in the previous year. In view of the large number of retirements in the next few years, the Bank has put in place an effective succession planning policy so that there is no skill gap at the middle and senior management levels. To fulfill these objectives various initiatives have been taken on Human Resources, Training, Promotions, Transfer and Placement. The Bank has also created a position of Chief Learning Officer (CLO) who will be responsible for trainings in the Bank.

जोखिम प्रबंधन/बासेल।।। को लागू करना

- मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि आपका बैंक भारतीय रिजर्व बैंक के बासेल।।। पूंजी विनियमों के अनुसार बासेल।।। अनुपालक है। बैंक की जोखिम भारित आस्ति अनुपात पूंजी 31 मार्च, 2014 के 11.01% से बढ़कर 31 मार्च, 2015 की स्थिति के अनुसार 11.41% (टियर। अनुपात 8.73% और टियर।। अनुपात 2.68%) हो गई।
- वित्तीय वर्ष 2014–15 के दौरान बैंक ने 1500 करोड़ के (टियर। बॉण्डस् रु. 500 करोड़ और टियर ।। बॉण्ड रु. 1000 करोड़) बासेल ।।। अनुपालक बॉण्ड जुटाए हैं। वित्तीय वर्ष 2014–15 के दौरान बैंक की पूंजी और तरलता स्थिति अच्छी रही।
- बैंक में उपयुक्त जोखिम प्रबंधन पद्धति लागू है, जिनकी बदलते हुए आर्थिक परिदृश्य और भारतीय रिजर्व बैंक से समय–समय पर प्राप्त दिशानिर्देशों के अनुसार आवधिक रूप से समीक्षा की जाती है और अद्यतन किया जाता है।

प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई)–वित्तीय समावेशन कार्यक्रम

आपका बैंक भारत सरकार और भारतीय रिज़र्व बैंक के वित्तीय समावेशन के उद्देश्यों को कार्यान्वित करने में हमेशा अग्रणी रहा है। इस अवधि में भी, बैंक ने भारत के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा शुरू की गई पीएमजेडीवाई योजना को सभी शाखाओं और विशेष रूप से एसएलबीसी संयोजक के रूप में दिल्ली में कार्यान्वित करने में अग्रणी भूमिका निभाई।

पीएमजेडीवाई के अंतर्गत वित्तीय सामवेशन के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए बैंक को 1610 उप–सेवा क्षेत्र आबंटित किए गए हैं जिसके अंतर्गत सर्वेक्षण तथा बैंक रहित परिवारों के खाते खोलने के लिए 4408 गांव एवं 1334 शहरी वार्ड कवर किए गए हैं। उक्त 1610 उप सेवा क्षेत्रों में से बैंक ने बैंक मित्र के माध्यम से 1274 उप सेवा क्षेत्रों को कवर कर लिया है तथा शेष 336 उप सेवा क्षेत्रों को बेसिक बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए शाखाओं द्वारा कवर किया गया है।

सर्वेक्षण के आधार पर सुनिश्चित किया गया है प्रत्येक बैंक विहीन परिवार का बैंक में कम से कम एक खाता अवश्य हो। आज तक, बैंक ने पीएमजेडीवाई के अंतर्गत 25 लाख से अधिक खाते खोले हैं और 98% खाता धारकों को रुपे डेबिट कार्ड जारी किए हैं। पीएमजेडीवाई योजना के अंतर्गत आपके बैंक में शून्य बैलेंस खातों का प्रतिशत मात्र 23.84% है जो कि उद्योग में न्यूनतम में से एक है। 95% से अधिक खाताधारकों को पासबुक जारी की गईं। 31.03.2015 तक 57 लाख से अधिक बेसिक बचत बैंक खाते खोले गए, जिसमें से कुल ₹9.64 लाख खाते बैंक मित्रों के माध्यम से खोले गए।

बेहतर ग्राहक सेवा के लिए प्रौद्योगिकी

- आपके बैंक के पास आधुनिकतम आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर है तथा यह अपने डिलीवरी चैनल के माध्यम से विभिन्न आईटी उत्पाद व सेवाएं मुहैया करा रहा है। वर्ष के दौरान, आपके बैंक ने दैनिक नकदी आहरण सीमा, ई–कॉमर्स सीमा और ₹1,00,000/– की पीओएस सीमा के साथ रुपे प्लेटिनम कार्ड का शुभारंभ किया है। बैंक ने मोबाइल बैंकिंग उपयोगकर्ताओं के लिए एनयूयूपी अर्थात् नेशनल यूनिफाइड यूएसएसडी प्लेटफार्म को लागू किया है जिससे मोबाइल फोन पर एप्लिकेशन को इन्स्टॉल करने की जरूरत नहीं रहती और बेसिक मोबाइल फोन के उपयोगकर्ता भी मोबाइल बैंकिंग सुविधा का उपयोग कर सकते हैं।

RISK MANAGEMENT/IMPLEMENTATION OF BASEL III

- I am happy to inform you that your Bank is compliant in terms of the Basel III-capital regulations of Reserve Bank of India. The Capital to Risk Weighted Assets Ratio (CRAR) of the Bank has improved to 11.41% (with Tier I ratio at 8.73% and Tier II ratio at 2.68%) as on March 31, 2015 as against 11.01% as on March 31, 2014.
- During the FY 2014-15, Bank raised Basel III compliant Bonds amounting to ₹1500 crore (Tier I Bonds: ₹500 crore and Tier II Bonds: ₹1000 crore). The capital and liquidity position of the Bank was comfortable during FY 2014-15.
- The Bank has put in place adequate Risk Management Systems which are reviewed and updated periodically in the light of changing economic scenario and guidelines received from Reserve Bank of India from time to time.

PRADHAN MANTRI JAN DHAN YOJANA (PMJDY)-FINANCIAL INCLUSION PROGRAMME

Your Bank has always been a front runner in implementing the financial inclusion objectives of the Government of India and Reserve Bank of India. During this period also, the Bank has taken a lead role in implementing the PMJDY scheme launched by Honorable Prime Minister of India across all Branches and particularly in Delhi state as SLBC Convener.

To achieve the goals of financial inclusion under PMJDY, Bank has been allotted 1610 Sub Service Areas (SSAs) covering 4408 villages and 1334 urban wards for survey and opening of account of unbanked households. Out of these 1610 SSAs, Bank has covered 1274 SSAs through Bank Mitras and remaining 336 SSAs are covered through branches for providing basic banking services.

On the basis of the survey, each unbanked household has been ensured at least one bank account. As on date, Bank has opened more than 25 lakh accounts under PMJDY and issued RuPay debit cards to 98% of the account holders. The percentage of zero balance accounts in your Bank under PMJDY scheme is only 23.84% which is one of the least in the industry. Passbooks have been given to over 95% of the account holders. Over 57 lakhs Basic Saving Bank Deposit Accounts have been opened as on 31.03.2015, out of which a total number of 9.64 lakhs accounts have been opened through Bank Mitras.

TECHNOLOGY FOR BETTER CUSTOMER SERVICE

- Your Bank has put in place a state-of-the-art IT Infrastructure and is providing an array of various IT products and Services through all its delivery channels. During the year, your Bank has launched RuPay Platinum Card with a daily cash withdrawal limit, e-Commerce limit and POS Limit of ₹1,00,000/-. Your Bank has also implemented NUUP i.e. National Unified USSD Platform for mobile banking users which obviates the need for installing application on the mobile phone and enables users having basic mobile phones to use mobile banking.

- आपके बैंक की व्यापक रूप से प्रयोग की जा रही एटीएम सुविधा को एटीएम के जरिए विभिन्न मूल्यवर्धित सेवाएं आरंभ करके और भी समृद्ध बनाया गया है और प्रायोजक बैंक के रूप में एनएसीएच (नेशनल ऑटोमेटिड क्लियरिंग हाउस) डेबिट सेवाओं का शुभारंभ किया गया है।
- आपके बैंक के अपने ग्राहकों के साथ दीर्घ तथा स्थायी संबंध हैं, जो वर्षों के विश्वास पर बने हैं और इस आशा पर आधारित हैं कि बैंक उनके सपनों को व्यावसायिक रूप से पूरा रखने में सदैव भागीदार है। हम अपने सम्मानित ग्राहकों को श्रेष्ठ बैंकिंग सेवाएं, उत्पाद देने और उत्कृष्टता की परंपरा निभाने के लिए वचनबद्ध हैं। बैंक द्वारा स्वतंत्र मुख्य ग्राहक सेवा अधिकारी (सीसीएसओ) की नियुक्ति की गई है जो ग्राहकों की शिकायतों पर विशेष ध्यान देने तथा उनकी शिकायतों के त्वरित समाधान देने के लिए आंतरिक लोकपाल के रूप में काम कर रहे हैं।

कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर)

स्वच्छ विद्यालय अभियान: बैंक ने विभिन्न सरकारी विद्यालयों में शौचालयों के निर्माण हेतु ₹2.00 करोड़ की राशि निर्धारित की है। 'स्वच्छ और सुरक्षित' भारत के सपने को पूरा करने की दिशा में मुख्य सीएसआर क्रियाकलाप के रूप में अखिल भारतीय स्तर पर प्राथमिकता के आधार पर यह निर्माण किया जा रहा है। वर्ष के दौरान हमने 177 सरकारी विद्यालयों में 227 शौचालयों का निर्माण कार्य पूरा करवाया है।

आपके बैंक ने कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व के अंतर्गत अपनी गतिविधियां बढ़ाते हुए समाज को वापस देने की नीति को जारी रखा है। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु, आपके बैंक ने पददलितों तथा समाज के अल्प सुविधा प्राप्त वर्ग के जीवन के स्तर में सुधार लाने के लिए विविध कल्याणपरक एवं सामजिक गतिविधियां की, जैसे ई–ओपीडी के लिए ई–मोबाइल क्लिनिक, पशु चिकित्सा एम्बुलेन्स, गरीब एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों की परिवहन सुविधा के लिए स्कूल बस, वाटर कूलर एवं प्यूरीफायर, गरीब मरीजों के लिए मेडिकल बेड तथा औषधियां, कंप्यूटर, सोलर लैम्प आदि का दान। बैंक ने स्कूलों के भवन निर्माण व नवीकरण के लिए भी दान दिया और प्रदूषण कम करने की दृष्टि से पौधारोपण भी किया।

कंपनी अभिशासन

आपका बैंक सेबी और भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित कंपनी अभिशासन संबंधी दिशानिर्देशों का अनुपालन कर रहा है तथा उद्योग की श्रेष्ठ पद्धतियों को अपनाकर, कंपनी अभिशासन के सर्वोच्च मानदंडों को कायम रखे हुए है। आपके बैंक की कंपनी अभिशासन नीतियों में हमारे ग्राहकों जिनमें शेयरधारक, जमाकर्ता, ऋणदाता, कर्मचारी एवं विनियामक प्राधिकारी शामिल हैं, के प्रति मंडल के उत्तरदायित्व और दिए गए निर्णयों के महत्व को स्वीकार किया गया है।

लाभांश

आपके बैंक की लाभांश घोषित करने की नीति शेयरधारकों को उचित प्रतिफल देने तथा स्वस्थ पूंजी पर्याप्तता अनुपात बनाये रखने हेतु पर्याप्त लाभ के पुनर्निवेश और भावी विकास में सहयोग करने पर आधारित है। बैंक के कार्यनिष्पादन के आधार पर, 31.03.2015 को समाप्त वर्ष हेतु ₹3.30 प्रति शेयर (33.00%) लाभांश घोषित करने का प्रस्ताव है।

- Your Bank's widely used ATM facility has been further enriched with launch of various Value Added Services through ATMs and it has also launched NACH (National Automated Clearing House) Debit Services as Sponsor Bank.
- Your Bank shares with its customers a long and enduring relationship that is built over the years on trust and an abiding hope that your Bank will always partner for the fulfillment of their needs and dreams in a professional manner. We are committed for bringing the best of banking services, products and a tradition of excellence to our customers. An independent Chief Customer Service Officer (CCSO) has been appointed by the Bank who is working as an Internal Ombudsman to give special focus and attention to customers' grievances if any and to provide a speedy redressal to their grievances.

CORPORATE SOCIAL RESPONSIBILITY (CSR)

Swachch Vidayalaya Campaign: The Bank has earmarked an amount of ₹ 2.00 crore for constructing toilets in various Government schools. The construction is being done on Pan India basis on priority and as focused CSR activity, leading towards the dream of a "Clean and Safe" India. During the year, we have completed the construction of 227 Toilets in 177 Government Schools across the country.

Your Bank has continued to adopt the policy of paying back to the society by increasing its activities under Corporate Social Responsibility. To achieve this objective, your Bank has undertaken various welfare and social activities to raise the quality of life of the downtrodden and under privileged sections of the society like donation of e-Mobile Clinic Van for e-OPD, Veterinary Ambulances, School Buses for transportation facility of poor and needy students, water cooler and purifiers, medical beds and medicines to poor patients, computers, solar lamps etc. The Bank has also donated for construction and renovation of school buildings and plantation of saplings to mitigate pollution.

CORPORATE GOVERNANCE

Your Bank has been adhering to the Corporate Governance guidelines laid down by SEBI and RBI and is maintaining the highest standards of Corporate Governance by adopting best industry practices. The Corporate Governance Policy of your Bank recognize the accountability of the Board and the impact of its decisions on all our constituents including shareholders, depositors, lenders, customers, employees and the Regulatory Authorities.

DIVIDEND

Your Bank's policy of declaring dividend is to reward the shareholders as well as to plough back sufficient profits for maintaining a healthy capital adequacy ratio and supporting future growth. Based on the performance of the Bank, it has been proposed to declare dividend of ₹ 3.30 per share (33.00%) for the year ended 31.03.2015.

भावी योजना

नीतिगत प्रयासों के कार्यान्वयन की आशाओं के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था में अब रूपांतरण के लक्षण दिख रहे हैं। ऐसे सकारात्मक कारोबारी माहौल और बेहतर ग्राहक विश्वास के कारण यह आशा है कि बैंकिंग क्षेत्र की वृद्धि में उछाल आएगा। ऐसे परिदृश्य में, आपके बैंक की योजना वित्तीय वर्ष 2014–15 के दौरान कासा अनुपात में सुधार, रिटेल क्रेडिट पोर्टफोलियो की हिस्सेदारी में वृद्धि, एमएसएमई अग्रिमों पर फोकस, वसूली में सुधार, बेहतर रिटर्न आदि के लिए वैकल्पिक चैनलों के उपयोग इत्यादि पर ज्यादा ध्यान देने की है। बैंक अपनी लाभप्रदता बढ़ाने एवं दक्षता मानदंडों में सुधार लाने पर विशेष ध्यान देगा।

समापन टिप्पणी

मैं इस अवसर पर श्री राजन कुमार (भारत सरकार के नामिती निदेशक), श्री एस.गणेश कुमार (आरबीआई के नामिती निदेशक), श्री देश दीपक खेत्रपाल, श्री अशोक कुमार शर्मा और श्री दिनेश कुमार अग्रवाल (शेयरधारक निदेशकों) का स्वागत करता हूं, जिन्होंने वर्ष के दौरान निदेशक मंडल में कार्यग्रहण किया।

मैं श्री एस.एल.बंसल (अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक), श्रीमती श्रेया गुहा एवं श्री रजत सच्चर (भारत सरकार के नामिती निदेशक), श्री एस.गणेश (आरबीआई के नामिती निदेशक), श्री के.एस.श्रीनिवासन (सनदी लेखाकार निदेशक) तथा श्री चंद्र प्रकाश सिंह एवं श्री मधु सूदन साहू (अंशकालिक गैर–सरकारी निदेशक), श्री टी.वलियप्पन, डॉ. आभा चतुर्वेदी एवं श्री.पी. बी.संथानाकृष्णन (शेयरधारक निदेशक) जिन्होंने वित्तीय वर्ष 2014–15 के दौरान बैंक के मंडल में निदेशक के रूप में अपना पदत्याग किया, का भी बैंक मे उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए आभार व्यक्त करता हूँ।

निदेशक मंडल की ओर से और मैं अपनी ओर से बैंक के सभी शेयरधारकों द्वारा बैंक के प्रति तथा प्रबंध वर्ग के प्रति दर्शाए गए उनके विश्वास के लिए हार्दिक धन्यवाद एवं आभार प्रकट करता हूँ। मैं बैंक के प्रत्येक कर्मचारी की समर्पण भावना तथा हमारे निष्ठावान ग्राहकों द्वारा दिए गए सतत् सहयोग व संरक्षण के लिए भी उनका धन्यवाद करता हूँ। मैं वित्त मंत्रालय, भारत सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक का, उनके सतत मार्गदर्शन और सहयोग के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ। मैं भविष्य में भी आपके सतत सहयोग और संरक्षण की कामना करता हूं।

अनिमेष चौहान

प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी

LOOKING FORWARD

The Indian economy is now showing signs of transformation with expectations of policy initiatives being implemented. With such positive business sentiments and improved consumer confidence, it is expected that banking sector growth will also rebound. In such a scenario, your Bank intends to intensify focus on improving the CASA ratio, increase in the share of retail credit portfolio, focus on MSME advances, improvement in recovery, utilization of alternate channels of delivery for better returns etc. during FY 15-16. Bank's main focus shall be on improvement in its profitability and efficiency parameters.

CONCLUDING REMARKS

I also avail this opportunity to welcome Shri Rajan Kumar (Government of India Nominee Director), Shri S. Ganesh Kumar (RBI Nominee Director), Shri Desh Deepak Khetrapal, Shri Ashok Kumar Sharma and Shri Dinesh Kumar Agrawal (Shareholder Directors) who joined as directors on the Board during the year.

I also appreciate the contribution made by Shri S. L. Bansal (Chairman & Managing Director), Smt. Sreya Guha and Shri Rajat Sachar (Government of India Nominee Directors), Shri S. Ganesh (RBI Nominee Director), Shri K. S. Sreenivasan (Chartered Accountant Director), Shri Chandra Prakash Singh and Shri Madhu Sudan Sahoo (Part-time Non Official Directors), Shri T. Valliappan, Dr. Abha Chaturvedi and Shri P.B. Santhanakrishnan (Shareholder Directors) who laid down office as Directors on the Board of the Bank during FY14-15, for their valuable contributions to the Bank.

On behalf of the Board of Directors and on my own behalf, I express my sincere thanks and gratitude to all the Shareholders of the Bank for reposing their faith in the Bank and the Management.I also thank every employee of the Bank for their dedication and our loyal customers for their continued support and patronage. My sincere thanks to the Ministry of Finance, Government of India and Reserve Bank of India for their continued guidance and support. I solicit your continued cooperation and patronage in future also.

Animesh Chauhan

Managing Director & Chief Executive Officer

ओ. बी. सी.

निदेशक मंडल
Board of Directors

श्री अनिमेष चौहान
प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी
Sh. Animesh Chauhan
Managing Director & CEO

श्री भूपिन्दर नैय्यर
कार्यकारी निदेशक
Sh. Bhupinder Nayyar
Executive Director

श्री सुरेश एन पटेल
कार्यकारी निदेशक
Sh. Suresh N Patel
Executive Director

श्री राजन कुमार
Sh. Rajan Kumar

श्री एस. गणेश कुमार
Sh. S. Ganesh Kumar

श्री किंग्शुक भट्टाचार्य
Sh. Kingshuk Bhattacharya

श्री नरेन्द्र जे. कोटियावाला
Sh. Narendra J. Kotiawala

श्री पी.एम. चोपड़ा
Sh. P.M. Chopda

श्री देश दीपक खेत्रपाल
Sh. Desh Deepak Khetrapal

श्री अशोक कुमार शर्मा
Sh. Ashok Kumar Sharma

श्री दिनेश कुमार अग्रवाल
Sh. Dinesh Kumar Agrawal

शीर्ष प्रबंधन वर्ग/Top Management Team

श्री अतुल गौतम
Sh. Atul Gautam

श्री ए.के. जैन
Sh. A.K. Jain

श्री के.के. आचार्य
Sh. K.K. Acharya

श्रीमती वी. रूद्रा
Smt. V. Rudra

श्री पी.एस. हुडा
Sh. P.S. Hooda

श्री एन.के. चौहान
Sh. N.K. Chauhan

श्री समीर मजूमदार
Sh. Samir Majumadar

श्री अश्वनी चानना
Sh. Ashwani Channanna

श्री नवलीन कुन्द्रा
Sh. Navleen Kundra

श्री सीएच. एस. एस. मल्लिकार्जुन राव
Sh. CH S.S. Mallikarjuna Rao

श्री एम. एल. सचदेवा
Sh. M.L. Sachdeva

श्री चरणजीत सिंह
Sh. Charanjit Singh

श्री गौतम सिन्हा राय
Sh. Gautam Sinha Ray

श्री मनोज सक्सेना
Sh. Manoj Saxena

श्रीमती शशि जैन
Smt. Shashi Jain

श्री आर.के. गुप्ता
Sh. R.K. Gupta

श्री बी.एन. झा
Sh. B.N. Jha

श्री एस.पी. चुघ
Sh. S.P. Chugh

श्री टी.आर. लखानी
Sh. T.R. Lakhani